

परसपेक्टवि: सतत्, संतुलति और समावेशी विकास

प्रलिमिंस के लयि:

[G20](#), [समावेशी विकास](#), [सतत् विकास](#), [मौद्रकि नीति](#), [राजकोषीय नीति](#)

मेन्स के लयि:

नयिम आधारति व्यापार प्रणाली, WTO सुधार, वतितीय समावेशन, सतत् विकास

प्रसंग:

[नई दलिली में G20 नेताओं के शखिर सम्मेलन](#) की सफलता के बाद भारत अब इस वर्ष के अंत में [G20 वर्चुअल शखिर सम्मेलन](#) के आयोजन की तैयारी कर रहा है जो [भारत की अध्यक्षता के समापन का प्रतीक](#) होगा। साथ ही 1 दसिंबर से ब्राज़ील G20 की अध्यक्षता संभालेगा।

इस शखिर सम्मेलन का वषिय "वसुधैव कुटुंबकम" था, जसिका अर्थ है "वशिव एक परिवार है"। यह [नई दलिली में नेताओं की घोषणा](#) में अपनाए गए आठ व्यापक वषियों को प्रतबिबिति करता है, जो एक सर्वव्यापी दृष्टिकोण प्रदान करते हैं तथावशिव को सीमाओं, भाषाओं और वचिरधाराओं से परे एक सार्वभौमकि परिवार के रूप में प्रगतिकरने के लयि प्रोत्साहति करते हैं।

G20 नेताओं द्वारा की गई पहली और सबसे महत्त्वपूर्ण प्रतबिदधता एक मज़बूत, टकिऊ, संतुलति तथा समावेशी विकास का सतर हासलि करना है। इसमें वैश्वकि आर्थकि स्थति, विकास के लयि व्यापार को सुगम बनाने एवं वतितीय समावेशन की दशिा में आगे बढ़ने तथा [भ्रष्टाचार](#) से लड़ने के बारे में चर्चा की गई।

वैश्वकि आर्थकि स्थति:

■ व्यापक संकट और दीर्घकालकि विकास:

- व्यापक संकटों के कारण दीर्घकालकि विकास की चुनौतियों उभरी हैं। इस मुद्दे को संबोधति करने के लयि सुव्यवस्थति व्यापक आर्थकि और संरचनात्मक नीतियों के कार्यान्वयन की आवश्यकता है।
- सुभेदय जनसंख्या की रक्षा करने, समान विकास को बढ़ावा देने और व्यापक आर्थकि तथा वतितीय स्थरिता को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रति कयिा जाएगा। इस दृष्टिकोण का उद्देश्य जीवन-यापन की संकटपूर्ण स्थतिको हल करना एवं मज़बूत, टकिऊ, संतुलति व समावेशी विकास को बढ़ावा देना है।

■ वैश्वकि आर्थकि विकास और अनश्चितता:

- वर्तमान में वैश्वकि आर्थकि वृद्धि अपने दीर्घकालकि औसत से नीचे है और असमान बनी हुई है। आर्थकि परदृश्य में अत्यधिक अनश्चितता व्याप्त है।
- वैश्वकि वतितीय स्थतियों में उल्लेखनीय ऋण संकट, नरितर मुद्रासफीतसे भू-आर्थकि स्थतिको और कमज़ोर कर सकता है।
- विकास को बढ़ावा देने, असमानताओं को कम करने और व्यापक आर्थकि तथा वतितीय स्थरिता बनाए रखने के लयि बेहतर तरीके से सुनयोजति मौद्रकि, राजकोषीय, वतितीय एवं संरचनात्मक नीतियों पर जोर देता है। इस वृहद नीति में सहयोग और सतत् विकास के लयि 2030 एजेंडा का समर्थन प्रमुख लक्ष्य है।

■ भारत के प्रयास:

- वशिवास पुनर्बहाली के माध्यम से विकासशील देशों को बहुपक्षवाद के लाभों को प्राप्त करने में सक्षम बनाना समय की मांग है। भारत ने [अफ्रीकी संघ](#) को G20 समूह में शामिल करके ऐसा कयिा है।
- हालाँकि G20 को आर्थकि क्षमता की अभवियकर्ता माना जाता है, लेकिन भारत की अध्यक्षता ने यह सुनश्चिति कयिा है कर्किास कुछ लोगों तक सीमति नहीं होना चाहयि, बल्कि यह सर्वव्यापी होना चाहयि।
- G20 शखिर सम्मेलन का व्यापक परणाम देशों के बीच ज़मिमेदारी, वशिवास और सहयोग बहाली हेतु एक कवायद है।

समावेशी विकास के संबंध में G20 घोषणापत्रः

■ विकास के लिये व्यापार को सुगम बनाना :

○ नयिम-आधारित बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली के प्रति प्रतिबद्धता:

- सदस्यों ने विश्व व्यापार संगठन के मूल में नयिम-आधारित, गैर-भेदभावपूर्ण, नष्टिपक्ष, खुले, समावेशी, न्यायसंगत, टिकाऊ और पारदर्शी बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली के महत्त्व की पुष्टि की।
- वर्ष 2024 तक सभी सदस्यों के लिये पूरी तरह से कार्यशील विवाद नपिटान प्रणाली को सुलभ बनाने के लक्ष्य के साथ [WTO सुधार](#) को आगे बढ़ाने की भी प्रतिबद्धता है।

○ वैश्विक मूल्य शृंखलाओं और डिजिटलीकरण को सुगम बनाना:

- सदस्य देशों ने जोखिमों की पहचान करने और व्यापार में लचीलापन बढ़ाने में मदद के लिये [वैश्विक मूल्य शृंखलाओं \(GVC\)](#) के मानचित्रण हेतु [G20 जेनेरिक फ्रेमवर्क](#) को अपनाया स्वीकार किया है।
- उन्होंने व्यापार दस्तावेजों के डिजिटलीकरण पर उच्च-स्तरीय सदिधांतों और अन्य देशों को इन सदिधांतों पर विचार करने के लिये प्रोत्साहित करते हुए उनके कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने हेतु समर्थन व्यक्त किया।

○ व्यापार, पर्यावरण और विकास सहायता:

- सदस्यों ने यह सुनिश्चित करने के महत्त्व पर प्रकाश डाला कि व्यापार और पर्यावरण नीतियाँ पारस्परिक रूप से सहायक तथा [WTO एवं बहुपक्षीय पर्यावरण समझौतों](#) के अनुरूप हैं।
- उन्होंने विकासशील देशों, विशेष रूप से कम विकसित देशों (LDC) को स्थानीय मूल्य सृजन के माध्यम से वैश्विक व्यापार में प्रभावी ढंग से भाग लेने में सक्षम बनाने में [WTO की 'व्यापार हेतु सहायता \(Aid for Trade\)'](#) पहल के महत्त्व को पहचाना।

■ भविष्य के कार्य हेतु तैयारी:

○ कौशल-आधारित प्रवासन को बढ़ावा देना:

- सदस्य अच्छी तरह से प्रबंधित, नयिमि और कौशल-आधारित प्रवासन मार्गों की दशा में काम करने के लिये प्रतिबद्ध हैं।
- उन्होंने वैश्विक कौशल अंतराल की पहचान करने और बेहतर डेटा संग्रह तथा विश्लेषण के माध्यम से उन्हें संबोधित करने को प्राथमिकता देने के प्रयासों का स्वागत किया, विशेष रूप से G20 देशों में नौकरियों के डेटाबेस के लिये [ILO एवं आर्थिक सहयोग और विकास संगठन](#) (Organisation for Economic Cooperation and Development- OECD) के कवरेज का विस्तार किया।

○ सामाजिक सुरक्षा, समावेशी विकास और श्रमिकों के अधिकार सुनिश्चित करना:

- घोषणा का लक्ष्य सतत रूप से वृद्धिपोषित सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा कवरेज प्राप्त करना है।
- उन्होंने द्विपक्षीय और बहुपक्षीय समझौतों के माध्यम से [सामाजिक सुरक्षा](#) लाभों की पोर्टेबिलिटी पर विचार करने पर जोर दिया।
- उन्होंने समावेशी विकास, सतत विकास और कार्य के लिये सांस्कृतिक तथा रचनात्मक क्षेत्र के महत्त्व को पहचानते हुए नौकरियों एवं सामाजिक सुरक्षा हेतु संयुक्त राष्ट्र वैश्विक त्वरक के कार्यान्वयन का समर्थन किया।
- उन्होंने [गति और प्लेटफॉर्म श्रमिकों](#) के लिये पर्याप्त सामाजिक सुरक्षा तथा सभ्य कामकाजी परिस्थितियों को सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

■ वित्तीय समावेशन बढ़ाना:

- नेताओं ने G20 प्रेषण लक्ष्य की दशा में प्रगति पर नेताओं के वर्ष 2023 के अपडेट का समर्थन किया।
- नेताओं ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSME) के उन्नत डिजिटल वित्तीय समावेशन के लिये नयिमक टूलकटि का समर्थन किया।
- उन्होंने डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे के माध्यम से वित्तीय समावेशन और उत्पादकता लाभ बढ़ाने के लिये [सर्वैच्छिक तथा गैर-बाध्यकारी G20 नीतियों की सफारिश का समर्थन](#) किया।
- उन्होंने समावेशी विकास और सतत विकास के लिये वित्तीय समावेशन में वृद्धि हेतु डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे की महत्त्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया।
- वे डिजिटल वित्तीय साक्षरता और उपभोक्ता संरक्षण की मज़बूती के लिये नरंतर प्रयासों का समर्थन करने पर सहमत हुए।
- उन्होंने व्यक्तियों और MSME के [वित्तीय समावेशन](#) को तेज़ी से आगे बढ़ाने के लिये एक कार्य-उन्मुख और दूरदेशी रोडमैप प्रदान करने हेतु [G20 वर्ष 2023 वित्तीय समावेशन कार्य योजना \(Financial Inclusion Action Plan- FIAP\)](#) का समर्थन किया।

■ भ्रष्टाचार के खतरे से नपिटना:

- देशों ने विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय सहयोग और भ्रष्टाचार से नपिटने के संदर्भ में भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहिष्णुता की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।
- नमिनलखिति पर तीन G20 उच्च-स्तरीय सदिधांतों का समर्थन करना:
 - भ्रष्टाचार से नपिटने के लिये कानून प्रवर्तन संबंधी अंतरराष्ट्रीय सहयोग और सूचना साझाकरण को मज़बूत करना।
 - भ्रष्टाचार से नपिटने के लिये संपत्ति विसूली तंत्र को मज़बूत करना।
 - भ्रष्टाचार को रोकने और उसका मुकाबला करने के लिये ज़िम्मेदार सार्वजनिक नकियाँ तथा प्राधिकरणों की ईमानदारी एवं प्रभावशीलता को बढ़ावा देना।
- देशों ने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों और घरेलू कानूनी ढाँचे के अनुसार अपराधिक आय को जब्त करने एवं उसे पीड़ितों तथा राज्यों को वापस करने के वैश्विक प्रयासों के लिये समर्थन की पुष्टि की।
- इन प्रयासों में वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (Financial Action Task Force- FATF) और ग्लोबल नेटवर्क के संचालन का समर्थन

करना।

- देशों ने भ्रष्टाचार के वरिद्ध संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (UNCAC) के अनुच्छेद 16 के अनुरूप वदेशी रशिवतखोरी को अपराध घोषित करने तथा वदेशी रशिवतखोरी कानून को लागू करने में ठोस परयासों को प्रदर्शित करने तथा जारी रखने की प्रतबिद्धता की पुष्टि की।
- देशों ने इस लक्ष्य की दशा में परयास करने में **भ्रष्टाचार नरिधी कार्यसमूह** के परयासों का समर्थन कया और उचित रूप से OECD रशिवत वरिधी सम्मेलन में भागीदारी बढाने के लयि तत्पर हैं।

■ **सतत् विकास लक्ष्यों (SDG) की प्रगत में तेज़ी लाना:**

- वर्तमान स्थिति और कार्रवाई हेतु प्रतबिद्धता:

- SDG पर वर्तमान वैश्विक प्रगत तय समय से पीछे है, केवल 12 प्रतशित लक्ष्य ही तय समय पर हैं।
- G20 का लक्ष्य वर्ष 2030 एजेंडा को प्रभावी ढंग से लागू करने और समयबद्ध तरीके से SDG की दशा में प्रगत में तेज़ी लाने के लयि अपने प्रभाव तथा सामूहिक प्रतबिद्धता का लाभ उठाना है।
 - इसका लक्ष्य भावी पीढ़ियों के लयि एक बेहतर दुनिया को आकार देना है।

- SDG कार्यान्वयन में तेज़ी लाने के लयि प्रमुख प्रतबिद्धताएँ:

- G20, SDG पर प्रगत में तेज़ी लाने के लयि G20 वर्ष 2023 कार्य योजना के प्रभावी औरसमय पर कार्यान्वयन हेतु सामूहिक कार्रवाई करने के लयि प्रतबिद्ध है।
- सदस्यों ने विकास के लयि डेटा (D4D) के उपयोग पर G20 सदिधांतों और विकास क्षमता नरिमाण पहल के लयि डेटा के लॉन्च का समर्थन कया ताकयिह सुनिश्चित कया जा सके किकोई भी पीछे न छूटे।
- वे वर्ष 2030 एजेंडा को लागू करने में विकासशील देशों का समर्थन करने के लयि सभी स्रोतों स्क्रफायती, पर्याप्त और सुलभ वतितपोषण सुनिश्चित करने की अपनी प्रतबिद्धता की पुष्टि करते हैं।
- यह सतत् सामाजिक-आर्थिक विकास के लयि पर्यटन और संस्कृति के महत्त्व पर प्रकाश डालता है, जसिमें SDG प्राप्त करने के साधन के रूप में पर्यटन हेतु गोवा रोडमैप का उल्लेख कया गया है।
- वर्ष 2030 एजेंडा को लागू करने में आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लयि G20 सहयोग और साझेदारी बढाने की प्रतबिद्धता व्यक्त की गई है। G20 ने SDG वतितपोषण अंतर को दूर करने हेतु संयुक्त राष्ट्र की पहल के लयि समर्थन का वादा कया है।

- सतत् वतित और रपिर्तगि:

- G20 ने स्थायी वतित को बढाने के लयि अपनी प्रतबिद्धता दोहराई और G20 सतत् वतित रोडमैप का स्वागत कया।
- G20 देशों की व्यक्तगत वशिष्ट परस्थितियों पर वचार करते हुए सामाजिक प्रभाव वाले नविश साधनों को अपनाने और प्रकृति से संबधित डेटा एवं रपिर्तगि में सुधार को प्रोत्साहित करता है।

नषिकर्ष:

G20 नेताओं के शखिर सम्मेलन में हासलि की गई सहमतपर कार्रवाई सुनिश्चित करने के लयि नमिनलखिति मुख्य बद्धिओं पर ध्यान देना आवश्यक है:

- प्रभावी अनुवर्ती तंत्र: प्रगतपर नज़र रखने और शखिर सम्मेलन के दौरान की गई प्रतबिद्धताओं के लयि जवाबदेही सुनिश्चित करने हेतु एक प्रणाली लागू करना।
- समय पर नषिपादन: प्रत्येक प्रतबिद्धता के लयि स्पष्ट समयसीमा और कार्य योजना नरिधारित करना।
- नगिरानी और रपिर्तगि: उपलब्धियों और चुनौतियों का सामना करने के लयि नयिमति रूप से प्रगत का आकलन करना।
- अंतरराष्ट्रीय सहयोग: वैश्विक मुद्दों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लयि G20 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के बीच सहयोग को मज़बूत करना।
- समावेशी संवाद: वविधि दृष्टिकोणों पर वचार सुनिश्चित करने के लयि नागरिक समाज सहित सभी हतिधारकों के साथ नरितर संवाद और जुड़ाव को प्रोत्साहित करना।
- लक्षति नीतियों और सुधार: शखिर सम्मेलन के दौरान पहचान की गई वशिष्ट चुनौतियों का समाधान करने के लयि राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नीतियाँ वकिसति करना एवं सुधार।

इन पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करके G20 नेताओं के शखिर सम्मेलन में बनी सहमतिको ठोस कार्यों में बदला जा सकता है जो वैश्विक चति के वभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव लाएंगे।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

?????????:

प्रश्न. "G20 कॉमन प्रेमवर्क" के संदर्भ में नमिनलखिति कथनों पर वचार कीजयि: (2022)

- यह G20 और उसके साथ पेरसि क्लब द्वारा समर्थित पहल है।
- यह आधारणीय ऋण वाले नमिन आय देशों को सहायता देने की पहल है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: C

व्याख्या:

- कॉमन फ्रेमवर्क पेरिस क्लब के साथ G20 द्वारा समर्थित एक पहल है। G20 अर्थव्यवस्थाओं ने सबसे गरीब देशों के लिये सामान्य ढाँचे को अपनाया, जिससे चीन, भारत और तुर्की, जो कि पेरिस क्लब के सदस्य नहीं हैं, को एक समन्वित ऋण पुनर्गठन प्रक्रिया में लाया गया। **अतः कथन 1 सही है।**
- DSSI (कॉमन फ्रेमवर्क) से परे ऋण उपचार के लिये सामान्य ढाँचा, पेरिस क्लब के साथ मलिकर G20 द्वारा समर्थित एक पहल है। जिसका उद्देश्य संरचनात्मक तरीके से कम आय वाले देशों को अस्थिर (Unsustainable) ऋण के साथ समर्थन करना है। **अतः कथन 2 सही है। इसलिये विकल्प (c) सही उत्तर है।**

प्रश्न. निम्नलिखित में से कसि एक समूह में चारों देश G-20 के सदस्य हैं?

- (a) अर्जेंटीना, मेक्सिको, दक्षिण अफ्रीका और तुर्की
- (b) ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, मलेशिया और न्यूजीलैंड
- (c) ब्राज़ील, ईरान, सऊदी अरब और वियतनाम
- (d) इंडोनेशिया, जापान, सांगोपुर और दक्षिण कोरिया

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- G-20 अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक के प्रतिनिधियों के साथ 19 देशों तथा यूरोपीय संघ का एक अनौपचारिक समूह है।
- मज़बूत वैश्विक आर्थिक विकास के लिये सदस्य देश जो कि वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 80% से अधिक का प्रतिनिधित्व और योगदान करते हैं, अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिये प्रमुख मंच पर आए, जिस पर सितंबर 2009 में पेंसिल्वेनिया (USA) में आयोजित पिट्सबर्ग शिखर सम्मेलन में नेताओं द्वारा सहमति व्यक्त की गई थी।
- G-20 के सदस्यों में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राज़ील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मेक्सिको, कोरिया गणराज्य, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ (EU) शामिल हैं। **अतः विकल्प (a) सही है।**

?????:

प्रश्न. यह तर्क दिया जाता है कि समावेशी विकास की रणनीतिक आशय समावेशिता और धारणीयता के उद्देश्यों को प्राप्त करना है। इस कथन पर टिप्पणी कीजिये। (2019)